

07/6/13

०५

आज यह एकावली फेर दुई / वाढी वापकील
 वाढीकोई उपस्थित मही आये / का एका एकावली
 लागत गई / आकाशके रूप के 5 कलभुक्त है
 आकाश का एकावली लागत गई / कोई उपस्थित
 मही आया का ही कोई शीघ्र हो ली है
 उपर आये (आकाशकील का एकावली) इति एकावली
 प्रोपका वादी के वादका अकत हाली अकत
 देखी न लगी अकत का एकावली (अकत एकावली
 एकावली ककत है / अकत एकावली एकावली
 अकत एकावली है / अकत एकावली एकावली

०५